भागीरथी बाल शिक्षा सदन सी० स्कूल

कक्षा-IV, पाठ - 1 'एक किरण' (कविता) स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत

विषय - हिंदी

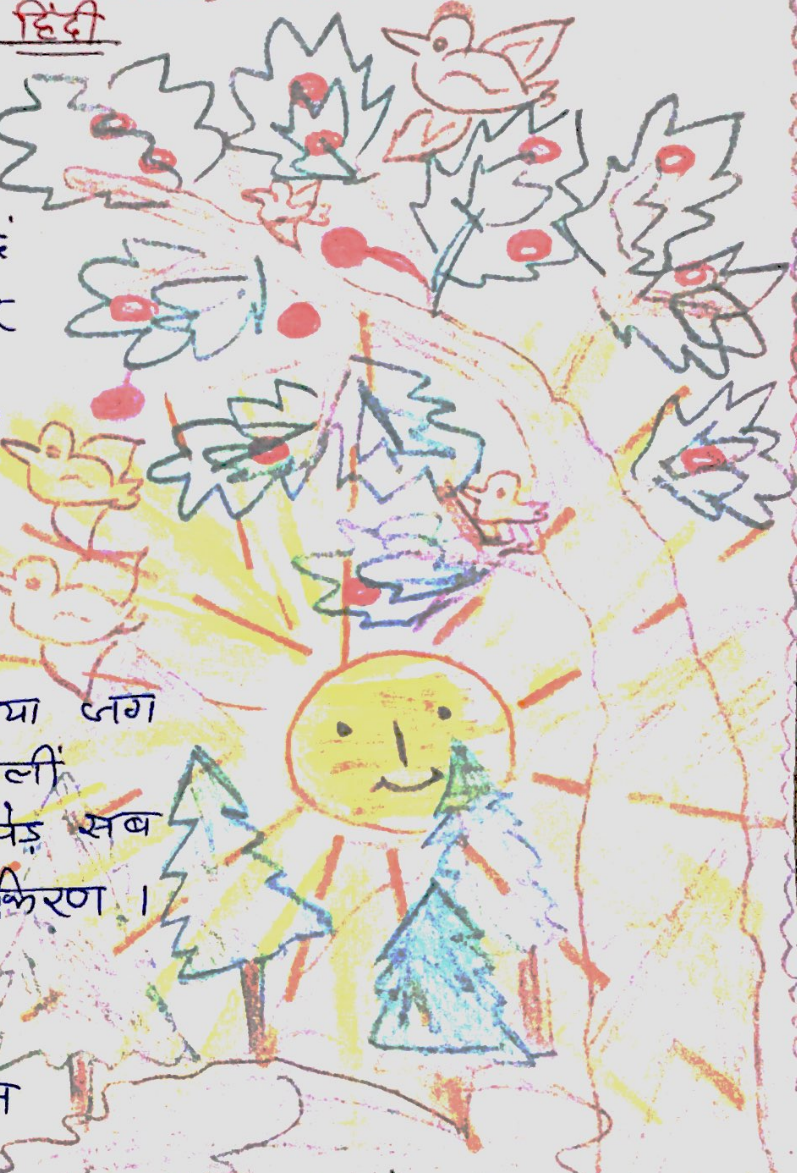

रेशम जैसी हँसती-खिलती
नभ से आई एक किरण
फूल-फूल की मीठी-मीठी
खुशियाँ लाई एक किरण।

पड़ी ओस की थी कुछ बूँदें
झिलमिल-झिलमिल पत्तों पर
उनमें जाकर दीया जलाकर
ज्यों मुस्काई एक किरण।

लाल-लाल थाली सा सूरज
उठकर आया पूरब में
फिर सोने के तारों जैसी
नभ में छाई एक किरण।

एक किरण से बदल गया जग
चिड़ियाँ गातीं गीत चलीं
हवा चली, हिल उठे पेड़ सब
सबको भायी एक किरण।

सूरज आया दिन मुस्काया
जागी दुनिया भोर हुई
नया-नया मन, ताजा जीवन
सबको लाई एक किरण।

निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए -

(क) नभ से आई किरण कैसी है?

(ख) सूरज किस दिशा में निकला है और वह कैसा लग रहा है?

(ग) एक किरण के आने से संसार कैसे बदल गया?

(घ) निम्नलिखित शब्दों के अर्थ लिखो —
नभ, भोर, जग, दीया, हवा

(ङ) चित्र बनाकर रंग भरिए।

सूरज	फूल